अमर उजाला
75 महोत्सव विश्वास का
6 राज्य
2 केंद्रशासित प्रदेश
22 संस्करण
G नगर ●●
वर्ष 20 | अंक 281 | पृष्ठ : 14+4 | मूल्य : छह रुपये
अमर उजाला
नई दिल्ली
बुधवार, 18 जनवरी 2023
माघ कृष्ण-एकादशी
विक्रम संवत-2079

amarujala.com | बड़ा फैसला | बाइडन सरकार ने ग्रीन कार्ड की प्रीमियम सुविधा का दायरा बढ़ाया...14 | दिल्ली-एनसीआर

डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर : फरवरी में खुर्जा से खतौली तक शुरू होगा ट्रायल रन

नितिन दीक्षित

हापुड़। छह हजार करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर का ट्रायल रन फरवरी माह में खुर्जा से खतौली तक होगा। केवल अब सात प्रतिशत कार्य रह गया है, जिसको पूरा करने की समय सीमा 31 जनवरी दी गई है। इससे पहले रेल मंत्री खुद मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्य की समीक्षा करेंगे। इसके अलावा फ्रेट कॉरिडोर के निर्माण के दौरान क्षतिग्रस्त हुए गांवों के सड़कों का निर्माण भी पूरा किया जा रहा है।

ईस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर का निर्माण लुधियाना से कोलकाता के डालकुनी तक किया जा रहा है। कॉरिडोर को तैयार करने के लिए अलग-अलग हिस्सों में कंपनियां कार्य कर रही हैं। खुर्जा से सहारनपुर तक 222 किलोमीटर तक का कार्य एलएंडटी कंपनी के पास है।

हापुड़ में करीब 21 किलोमीटर लंबे फ्रेट कॉरिडोर का ट्रैक बिछाने का कार्य शत प्रतिशत पूरा हो चुका है। अब मात्र सिग्नल केबिल बिछाने और बिजली की तार जोड़ने का कार्य बाकी रह गया है। हापुड़ जिले में अब अधिक कार्य नहीं बचा है। कार्य करीब-करीब पूरा हो चुका है। कुल मिलाकर खुर्जा और खतौली तक का 93 प्रतिशत कार्य पूरा है। सहारनपुर में कार्य पूरा करने के लिए मिट्टी नहीं मिल पा रही है। जिसके कारण कार्य पूरा होने के अलावा ट्रायल रन में समय लग रहा था। लेकिन अब निर्णय लिया गया है कि खुर्जा से खतौली का ट्रायल रन किया जाएगा।

क्षतिग्रस्त सड़कें हो रही दुरुस्त : कॉरिडोर का निर्माण कार्य पिछले तीन साल से जारी है। ऐसे में इसके निर्माण के दौरान मशीनों और डंपर की आवाजाही से आसपास के गांवों की सड़कें और खड़ंजे क्षतिग्रस्त हो गए थे। इन्हें दुरुस्त करने के लिए एलएनटी का कार्य जारी है। ट्रायल रन से पहले कंपनी की मंशा है कि इन सभी रास्तों को भी दुरुस्त कर दिया जाए, ताकि ग्रामीणों को किसी प्रकार की परेशानी न होने पाए। (संवाद)

हापुड़ में ट्रैक की हुई वेल्डिंग, सिग्नल की कनेक्टिविटी का कार्य जारी

तैयार हुआ कॉरिडोर। संवाद

कॉरिडोर का औद्योगिक निवेश बढ़ाने में भी योगदान

इस एकल पटरी लाइन पर खुर्जा और सहारनपुर में लोडिंग और अनलोडिंग स्टेशन बनाए जा रहे हैं। इसके निर्माण को लेकर आसपास के लोगों के अलावा व्यापारियों में भी उत्साह है। कॉरिडोर के निर्माण का यहां निवेश के लिए मिल रहे प्रस्तावों में भी योगदान हैं। इस कॉरिडोर के कारण देश भर से अच्छी कनेक्टिविटी के चलते बड़े निवेशक यहां निवेश के लिए आ रहे हैं। इस कॉरिडोर के बनने के बाद माल को लाने ले जाने में बड़ी सहूलियत मिलेगी।

ट्रायल रन से पहले सीआरएस करेंगे निरीक्षण

फरवरी में ट्रायल रन निश्चित हो गया है। रेल मंत्री जल्दी ही यहां की प्रगति समीक्षा करेंगे। इससे पहले कमिश्नर ऑफ रेलवे सिक्योरिटी भी जनवरी माह में ही पूरे ट्रैक का निरीक्षण करेंगे। ट्रायल रन को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं।

- गुरवेंद्र सिंह, प्रबंधक एलएंडटी।